तुलसी महाविद्यालयात प्रजासत्ताक दिन

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-१७७ वा | मंगळवार २८ जनवरी २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रुपये | पन्ने - ४

ग्वालियर के राजा सिंधिया कि बीड के मूसलिम सुफी के दरबार में हाजरी, फिर मजबूत किया रिश्ता।

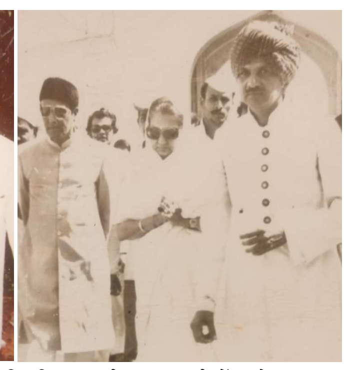

बीड (तामीर न्यूज): आज के इस माहौल में, गंगा-जमुनी संस्कृति और एक हिंदू राजा की एक मुस्लिम सूफी संत में गहरी आस्था का यह अनोखा संबंध न केवल भाईचारे की मिसाल है, बल्कि यह अमन और मोहब्बत का ऐसा पैगाम है जिसे पूरे हिंदुस्तान में फैलना चाहिए। यह कहानी है मंसूर शाह सूफी और सिंधिया वंश के बीच की, जिसने सैकड़ों सालों से धार्मिक सहिष्णुता और आपसी सौहार्द को जीवित रखा है।

कल २६ जनवरी २०२५ से पहले सिंधिया खानदान के सभी अहम व्यक्ति जिन में राज माता सिंधिया, माजी केंद्रय मंत्री माधव राव सिंधियाज बीड आ चुके हैं और आज तिसरी और चौथी नस्ल जिसमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उन के बेटे युवराज महाआर्यमान सिंधिया और पत्नी भी प्रिय साथ थी। ये आशीर्वाद कि दास्तान कुछ यूं बयान कि जाती है।

मंसूर शाह सूफी, जो महाराष्ट्र के बीड़ जिले के एक महान संत थे, ने अपने आध्यात्मिक आशीर्वाद से सिंधिया वंश को नई दिशा दी। तीसरी पानीपत की लड़ाई में जब मराठा सरदार महादजी शिंदे अहमद शाह अब्दाली से हारकर गंभीर रूप से घायल हो गए और लापता हो गए, तब उनकी पत्नी ने मंसूर शाह सूफी से मदद की गुहार लगाई। संत ने अपनी दुआओं से महादजी शिंदे को सुरक्षित खोजने में मदद की। इस घटना के बाद, सिंधिया वंश ने मंसूर शाह सूफी को अपना आध्यात्मिक गुरु मान लिया।

मंसूर शाह सूफी ने महादजी शिंदे को आधी रोटी और अंगवस्त्र भेंट किए, जो उनके आशीर्वाद का प्रतीक थे। यह तोहफा सिंधिया परिवार के लिए इतना पवित्र हो गया कि इसे ग्वालियर के गोरखी इलाके में बेहद सम्मान के साथ रखा गया। आज भी, सिंधिया परिवार हर शुभ कार्य से पहले इन प्रतीकों के सामने सिर झुकाकर आशीर्वाद लेता है। यह परंपरा बीड़ और ग्वालियर के बीच के गहरे संबंध को दर्शाती है।

मंसूर शाह सूफी की दुआओं और आशीर्वाद ने सिंधिया वंश को न केवल मुश्किल हालातों से उबरने में मदद की, बल्कि उन्हें मराठा साम्राज्य को पुनः स्थापित करने का साहस और शक्ति भी दी। महादजी शिंदे, जिनका मानना था कि उनकी हर सफलता मंसूर शाह सूफी की कृपा का परिणाम है, ने ग्वालियर में सूफी संत के पुत्र हबीब शाह को बुलाया और उन्हें जागीर भेंट की। आज भी, मंसूर शाह सूफी की याद में हर साल ग्वालियर में उर्स बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें सिंधिया परिवार विशेष रूप से शामिल होता है।

यह संबंध सिर्फ धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गंगा-जमुनी तहज़ीब का प्रतीक है। एक हिंदू राजा की मुस्लिम सूफी में आस्था ने यह साबित किया कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर इंसानियत और आध्यात्मिकता को प्राथमिकता दी जा सकती है। आज भी, मंसूर शाह सूफी के वंशज बीड़ में रहते हैं और ग्वालियर के सिंधिया वंश के सदस्य नियमित रूप से बीड आते हैं, और हज़रत मनसुर शाह रहेमतूल ला अलैहे के आस्ताने पर आ कर फुल पेश करते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। यह कहानी आज के समय में एक सीख है कि विविधताओं में एकता ही हमारी असली पहचान है। मंसूर शाह सूफी और सिंधिया वंश का यह ऐतिहासिक संबंध हमें यह संदेश देता है कि प्यार, भाईचारा और सद्भाव से बड़ी कोई ताकत नहीं होती। इस रिश्ते की खुशबू आज भी बीड़ और ग्वालियर की सरहदों को पार कर पूरे देश में फैल रही है। यह एक ऐसी परंपरा है जिसे हिंदुस्तान के हर कोने में अपनाया जाना चाहिए। २६ जनवरी के दौरे में सिंधिया खानदान के साथ कौसर शाह साहब कि भतीजी बेगम हाजरा रियाज खान भी मौजूद रहीं । बीड के कूछ राजनीतिक व्यक्ति भी थे जिन चंद्रकांत पड़ भी पेश पेश रहे।

आ.संदीप क्षीरसागर ने की मनोज दादा जरांगे पाटिल से मुलाकात

मराठा आरक्षण की मांगों को जल्द से जल्द मानने की सरकार से अपील

बीड, २७ (प्रतिनिधि): मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मराठा संघर्ष योद्धा मनोज जरांगे पाटिल ने २५ जनवरी को उपवास शुरू किया। इस दौरान रविवार, २६ जनवरी को बीड विधानसभा क्षेत्र के विधायक आ. संदीप क्षीरसागर ने उपवास स्थल पर जाकर मनोज जरांगे पाटिल से मुलाकात की। साथ ही उन्होंने जरांगे पाटिल की मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की सरकार से अपील की।

२५ जनवरी से अंतरवली सराटी में मराठा संघर्ष योद्धा मनोज जरांगे पाटिल ने मराठा आरक्षण के संदर्भ में सगेसोयरे अंमलबजावणी (हैदराबाद गजेट) की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया है। मराठा आरक्षण की मांग को लेकर यह उनका सातवां उपवास है। विधायक संदीप क्षीरसागर ने अंतरवली सराटी स्थित उपवास स्थल पर जाकर उनकी स्थिति का जायजा लिया और उन्हें स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की।

साथ ही, आ. क्षीरसागर ने सरकार को पत्र लिखकर जरांगे पाटिल की मांगों को तुरंत पूरा करने का अनुरोध किया। मराठा संघर्ष योद्धा मनोज जरांगे पाटिल पिछले कई दिनों से मराठा समाज के आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बार-बार उपवास रखने के कारण उनकी तबीयत खराब हो रही है। वर्तमान में भी उनकी सेहत बिगड़ी हुई है।

इस स्थिति को देखते हुए विधायक संदीप क्षीरसागर ने सरकार से अपील की है कि उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को इस बारे में पत्र भी लिखा है।

आठवले गैंग पर मकोका; नकली नोटें, गोलीबारी सहित गंभीर अपराधों में लिप्त आरोपी

बीड़, २७ (प्रतिनिधि): नकली नोटें और गोलीबारी सहित कई गंभीर अपराधों में शामिल आठवले गैंग पर आखिरकार मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट) लगाया गया है। पुलिस ने इस कार्रवाई के तहत सनी आठवले, अक्षय आठवले, मनीष क्षीरसागर सहित छह आरोपियों पर मकोका लगाया है।

बीड़ पुलिस ने पिछले एक महीने में जिलेभर में आतंक मचाने वाली दो गैंगों पर मकोका के तहत कार्रवाई की है। सुदर्शन घुले की गैंग पर मकोका लगाने के बाद आज बीड़ पुलिस ने आठवले गैंग पर भी मकोका लगाया। १३ दिसंबर २०२४ को पेठ बीड़ पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में गोलीबारी की घटना हुई थी। इस घटना में शामिल छह आरोपियों पर मकोका के तहत कार्रवाई की गई है। प्रमुख आरोपी अक्षय आठवले, सनी आठवले, आशिष आठवले, मनीष क्षीरसागर, ओंकार सवई और प्रसाद धिवार हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इन आरोपियों ने अब तक १९ गंभीर अपराध किए हैं। इन अपराधों में हत्या का प्रयास, डकैती, लूटपाट, अवैध हथियार (गांवठीकट्टा) रखना, अवैध हथियारों की बिक्री, हिंसक झगड़े, आग्नेयास्त्र चलाना, पुलिस हिरासत से जानलेवा हमला कर भागना, सरकारी काम में बाधा डालना, और फिरौती मांगने जैसे अपराध शामिल हैं। इन १९ मामलों में से १६ मामलों की सुनवाई अदालत में चल रही है, जबकि ३ मामलों की जांच अभी जारी है।

आठवले गैंग पर मकोका लगाने के बाद इस पूरे मामले की जांच उप-विभागीय पुलिस अधिकारी विश्वंभर गोल्डे करेंगे। पुलिस की जांच से पता चला है कि इस गैंग ने बीड़ और अन्य जिलों में १९ से अधिक अपराध किए हैं। इस कार्रवाई से पुलिस ने संगठित अपराधों पर सख्त नियंत्रण की मंशा जाहिर की है।

बीड़ जिले को विकसित जिला बनाएंगे!-खेल मंत्री दत्तात्रय भरणे

७६ वां गणतंत्र दिवस शानदार समारोह में संपन्न

बीड़, २६ जनवरी:

बीड़ जिले में अधिक से अधिक सर्वांगीण विकास कार्यो को अंजाम देकर इसे एक विकसित जिला बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। यह बात महाराष्ट्र के खेल मंत्री दत्तात्रय भरणे ने आज यहां मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कही।

पुलिस मुख्यालय के मैदान में आयोजित ७६वें गणतंत्र दिवस के मुख्य सरकारी समारोह में ध्वजारोहण का कार्य खेल मंत्री दत्तात्रय भरणे ने किया। इस अवसर पर विधायक संदीप क्षीरसागर, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काज़ी, जिलाधिकारी अविनाश पाठक, पुलिस अधीक्षक नवनीत कवट और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य जीवने सहित अन्य प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

इस भव्य समारोह में पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी और स्काउट गाइड सहित १९ दलों ने परेड में भाग लिया। इस परेड का नेतृत्व बीड़ के पुलिस निरीक्षक शीतलकुमार बल्लाल ने किया। ध्वजारोहण के बाद श्री भरणे ने परेड का निरीक्षण किया। अपने भाषण में उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों और सीमा पर बलिदान देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश को पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र को ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया है और इसके लिए दोनों उपमुख्यमंत्रियों का भी आभार प्रकट किया।

श्री भरणे ने कहा कि बीड़ जिले में स्वतंत्रता सेनानी आद्य कवि मुकुंदराज की भूमि पर ध्वजारोहण करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने खो-खो विश्व कप विजेता बीड़ की बेटी प्रियंका इंगले, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले बीड़ के अविनाश साबले, राहुल आवारे और नवनाथ फरताड़े की सराहना की।

रेलवे का सपना होगा पूरा:

खेल मंत्री ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से बीड़ जिले के लोगों का रेलवे का सपना पूरा होने जा रहा है। इससे बाजारों की पहुंच करीब होगी और किसानों सहित सभी को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बीड़ को जैविक खेती और रेशम उत्पादन में प्रथम स्थान दिलाने के लिए किसानों का अभिनंदन किया।

खेल सुविधाओं के लिए विशेष प्रावधान:

जिले में खेल सुविधाओं के लिए ८ करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। माजलगांव, वडवानी, गेवराई, केज, अंबाजोगाई और धारूर में तालुका स्तर के खेल संकुल स्थापित किए जाएंगे।

सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्य:

उन्होंने कहा कि जिले में सड़क निर्माण के लिए ९०० करोड़ रुपये से अधिक की लागत के कार्य चल रहे हैं। इसके साथ ही, जिलाधिकारी कार्यालय की इमारत सहित ५१ अन्य परियोजनाओं के लिए ३२१.५० करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सम्मान और सांस्कृतिक कार्यक्रम:

समारोह के बाद जिजाऊ मल्टीस्टेट केस की जांच करने वाले पुलिस उपनिरीक्षक सिद्धेश्वर मुरकुटे और तुकाराम जगताप को सम्मानित किया गया। मंत्री महोदय के हाथों शहीद जवान पांडुरंग वामन तावरे की वीर पत्नी गोदावरी तावरे को ताम्रपत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूलों के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह का संचालन पुलिस बल के अनिल शेलके ने किया।

डॉ. थोरात की छुट्टी को सरकार की मंजूरी, इसी के तहत विदेश यात्रा

दमानिया के आरोपों के बाद कुछ बातें स्पष्ट

बीड। प्रतिनिधि

बीड जिला अस्पताल के जिला सर्जन डॉ. अशोक थोरात सरकार की अनुमति से छुट्टी पर विदेश यात्रा पर गए हुए हैं। इस बीच, सरपंच हत्या मामले और रंगदारी मामले के आरोपी वाल्मिक कराड के अस्पताल में भर्ती होने के बाद अंजली दमानिया ने डॉ. थोरात पर गंभीर आरोप लगाए। लेकिन डॉ. थोरात ने अपनी छुट्टी और विदेशी यात्रा की सरकारी अनुमति के दस्तावेज वायरल कर दिए, जिससे दमानिया के आरोपों का एक तरह से जवाब मिल गया है।

सरपंच हत्या और रंगदारी मामला

मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद हत्या और रंगदारी मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वाल्मिक कराड का नाम प्रमुखता से सामने आया है। वाल्मिक कराड न्यायिक हिरासत में रहते हुए पेट दर्द की शिकायत के चलते जेल प्रशासन से बीड जिला अस्पताल में इलाज की अनुमति मांगी। इसके बाद जेल प्रशासन ने उन्हें बीड के जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

डॉ. थोरात की विदेश यात्रा

गौरतलब है कि जिस दिन वाल्मिक कराड को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया, उससे पहले ही डॉ. अशोक थोरात ने सरकार की अनुमति लेकर अपने दोस्तों के साथ विदेश यात्रा शुरू कर दी थी। २१ जनवरी से १ फरवरी २०२५ तक की छुट्टी के लिए सरकार ने उन्हें मंजूरी दी थी।

दमानिया का आरोप

इस घटना के बाद अंजली दमानिया ने आरोप लगाया कि वाल्मिक कराड और धनंजय मुंडे ने मिलकर डॉ. थोरात को बीड जिला अस्पताल के सिविल सर्जन पद पर नियुक्त कराया था। इससे पहले इस पद पर धनंजय मुंडे के रिश्तेदार कार्यरत थे, जिन्हें हटाकर डॉ. थोरात को यह जिम्मेदारी दी गई।

डॉ. थोरात का जवाब

इस बीच, विदेश में मौजूद डॉ. थोरात पर बीड में आरोप लगने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी छुट्टी की सरकारी मंजूरी के दस्तावेज वायरल कर दिए। अब इस मामले में और अधिक स्पष्टता उनके बीड लौटने के बाद ही मिल पाएगी। लेकिन सोशल मीडिया पर जारी इस पत्र के माध्यम से उन्होंने दमानिया के आरोपों का जवाब दे दिया है, ऐसा कहना गलत नहीं होगा।

अपराध सिद्ध करने के लिए 'मोबाइल फॉरेंसिक वैन' शुरू करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य: मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई:

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, २०२३ के तहत ७ वर्ष या उससे अधिक सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक साक्ष्यों का उपयोग अनिवार्य किया गया है। इस सुधार का एक अहम हिस्सा मानी जाने वाली 'मोबाइल फॉरेंसिक वैन' महाराष्ट्र में शुरू की गई है। अपराध सिद्ध करने के लिए ऐसी सुविधा शुरू करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बना है, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज कहा।

मुख्यमंत्री ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में आयोजित समारोह में मोबाइल फॉरेंसिक वैन का फीता काटकर और हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कुल २५९ मोबाइल फॉरेंसिक वैन शुरू की जाएंगी, जिनमें से २१ वैन पूरी तरह से सुसज्जित हैं और काम कर रही हैं। ये वैन ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करते हुए अपराध स्थल पर क्राइम सीन एप्लिकेशन के माध्यम से जांच करेंगी। इस प्रक्रिया में साक्ष्य एकत्र करके बारकोड के जरिए सुरक्षित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के हाथों वैन का लोकार्पण

वैन की विशेषताएं और उपयोग

ये वैन सीसीटीवी से लैस होंगी और संबंधित पुलिस थानों से जुड़ी होंगी, जिससे अपराध से संबंधित साक्ष्यों की जानकारी तुरंत साझा की जा सकेगी। यह एक संयुक्त प्रणाली है जिसमें सुसज्जित मोबाइल फॉरेंसिक वैन, फॉरेंसिक किट, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और क्राइम सीन एप्लिकेशन का समावेश है। इससे साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया अधिक कुशल और सटीक होगी।

शिदोड से २०० ब्रास रेत का भंडार जब्त ; ग्रामीण पुलिस की कार्रवाई

बीड़, २७ (प्रतिनिधि): अवैध रेत परिवहन पर लगाम लगने के बावजूद, कुछ जगहों पर अभी भी पुलिस को चकमा देकर रेत का परिवहन जारी है। ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र के शिदोड में २०० ब्रास रेत का भंडार मिला था। पुलिस ने इस भंडार को जब्त कर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

जिले में रेत का मुद्दा हाल ही में हिवाली सत्र में प्रमुखता से उठाया गया था। एसपी ने रेत के परिवहन और उत्खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। लेकिन इससे पहले ही कई लोगों ने रेत का भंडारण करके चोरी-छिपे तस्करी शुरू कर दी थी। शिदोड में आवेज इनामदार नामक व्यक्ति के पास रेत परिवहन के लिए टेम्पो था, और उसने २०० ब्रास रेत का भंडार तैयार किया था।

ग्रामीण पुलिस थाना के सहायक पुलिस निरीक्षक बाळराजे दराडे को इस बारे में जानकारी मिलने के बाद उनकी टीम ने कार्रवाई की और इस भंडार को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की। इस कार्रवाई में १४ लाख रुपये का माल जब्त किया गया है।

इस कार्रवाई में श्री. मस्के, श्री. मोराळे, श्री. बडे, श्री. जायभाये, श्री. तांदळे और श्री. जाधव का योगदान रहा। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से अवैध रेत तस्करी पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

सुदर्शन घुले ३१ जनवरी तक पुलिस हिरासत में

बीड़, २७ (प्रतिनिधि): संतोष देशमुख हत्या मामले में मुख्य आरोपी सुदर्शन घुले को लेकर एसआईटी ने बीड़ जिला न्यायालय से पुलिस हिरासत की मांग की थी। बताया गया है कि संतोष देशमुख की हत्या के बाद सुदर्शन घुले और विष्णु चाटे ने वाल्मीकि कराड से फोन पर बातचीत की थी। इस संदर्भ में एसआईटी को अहम सुराग मिले हैं और सुदर्शन घुले के मोबाइल से डेटा प्राप्त किया गया है। इस डेटा की आगे जांच के लिए सुदर्शन घुले को ३१ जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

संतोष देशमुख हत्या मामले में मकोका अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक किरण पाटिल, सरकारी पक्ष के वकील बालासाहेब कोल्हे और आरोपी के वकील अनंत तिडके बीड़ न्यायालय में उपस्थित थे। एसआईटी ने आज पुलिस हिरासत की मांग यह कहते हुए की कि संतोष देशमुख हत्या मामले में सुदर्शन घुले के मोबाइल की जांच करना आवश्यक है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने ३१ जनवरी तक पुलिस हिरासत मंजूर कर दी। बताया गया है कि आरोपी के दो जब्त किए गए मोबाइल में से एक का लॉक अब तक नहीं खुला है। इसलिए, मोबाइल का लॉक खुलवाने के लिए आरोपी से पूछताछ करना अत्यंत आवश्यक है।

सामान्य जनता पर अन्याय नहीं होगा, यह सुनिश्चित करें; काम केवल नियम और कानून के दायरे में ही होंगे

पालक मंत्री पंकजा मुंडे ने विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश; जिला प्रशासन और राजस्व विभाग ने किया स्वागत

जालना, २७ जनवरी:

विकास कार्य करते समय किसी भी दबाव के आगे झुके बिना प्रशासन को कानून और नियमों के अनुसार काम करना चाहिए। बतौर पालक मंत्री, मैं केवल कानून और नियमों के दायरे में रहकर आम जनता के लिए काम करूंगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सामान्य जनता पर किसी प्रकार का अन्याय न हो। जिले के विभिन्न विभागों और क्षेत्रों की समस्याओं को हल करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। यह बात महाराष्ट्र की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और पशु संवर्धन मंत्री तथा जालना जिले की पालक मंत्री पंकजा मुंडे ने आज अधिकारियों के साथ बैठक में स्पष्ट रूप से कही।

सरकारी ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद, पालक मंत्री पंकजा मुंडे ने जिलाधिकारी कार्यालय में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जालना जिले की पालक मंत्री के रूप में मैं जिले के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव प्रयास करूंगी। जल्द ही विकास कार्यो के लिए एक नियोजन समिति का गठन किया जाएगा। विकास कार्य करते समय प्रशासन को कानून और नियमों के तहत काम करना चाहिए। मैं जिले की जनता की समस्याओं को हल करने के लिए निरंतर प्रयास करती रहूंगी।

पर्यावरण विभाग को तैयार करना होगा एक योजनाजिले में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से संबंधित योजनाओं, भविष्य की नीतियों, ठोस कचरा प्रबंधन, जल और वायु प्रदूषण, नदी और तालाब संरक्षण, और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक सुव्यवस्थित योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

पशु संवर्धन विभाग को जिले में पशुधन, राज्य और केंद्र प्रायोजित योजनाओं, एकीकृत सर्वेक्षण, पशु गणना, जिला वार्षिक योजना, विदर्भ-मराठवाड़ा दुग्ध विकास प्रकल्प और पुण्यश्लोक अहिल्याबाई महाराष्ट्र बकरी एवं भेड़ विकास महामंडल की योजनाओं को गति देने के लिए विशेष प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। जिले में गोट फार्मिंग और 'एक जिला एक उत्पाद' कार्यक्रम को लागू करने के लिए भी विशेष निर्देश दिए गए।

जालना को एक औद्योगिक जिला के रूप में पहचाना जाता है। इसलिए पर्यावरण के दृष्टिकोण से यहां विशेष योजना बनाने की जरूरत पर चर्चा हुई। पशु संवर्धन योजनाओं को गति देकर और पर्यावरण कार्यो में जनभागीदारी सुनिश्चित कर, पर्यावरण अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया।इस बैठक में पालक मंत्री पंकजा मुंडे ने जिला नियोजन, विभिन्न प्रोजेक्ट, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिल्क प्रोजेक्ट, मैजिक इन्क्यूबेशन सेंटर, क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल और ड्राय पोर्ट जैसे प्रोजेक्ट्स की जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल से समीक्षा की। उन्होंने पर्यावरण और पशु संवर्धन विभाग की स्थिति का भी आकलन किया। इसके साथ ही जिले के उद्यमियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया।

बैठक की शुरुआत में जिला प्रशासन, उप जिलाधिकारी, नगर निगम प्रशासन, राजस्व संगठन और सरपंच संगठनों ने पालक मंत्री पंकजा मुंडे का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वर्षा मीना, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार बंसल, अपर जिलाधिकारी रीता मैत्रवार, निवासी उपजिल्हाधिकारी गणेश महाडिक और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com